खण्ड ख

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर आलोचनात्मक रूप में दीजिए । प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का है । आंतरिक विकल्प सहित । **3×12=36**

1. हरिशंकर परसाई के साहित्य में सामाजिक सुधार की भावना को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

परसाई के साहित्य में प्रतीकात्मकता और व्यंग्य का समन्वय कैसे दिखाई देता है ?

2. हरिशंकर परसाई के साहित्य में निहित सामाजिक चेतना की चर्चा कीजिए ।

अथवा

परसाई के साहित्य में हास्य और व्यंग्य का संतुलन कैसे स्थापित होता है ?

No. of Printed Pages : 09 Roll No. .....

55111

M. A. Hindi (NEP-2020)

EXAMINATION, 2026

(Second Semester)

हरिशंकर परसाई

Time : 3 Hours] [*Maximum Marks : 70*

Before answering the question-paper, candidates must ensure that they have been supplied with correct and complete question-paper. No complaint, in this regard will be entertained after the examination.

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

खण्ड क

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं दो पाठांशों की व्याख्या कीजिए । प्रत्येक पाठांश के लिए 6 अंक निर्धारित हैं । **6×1=12**

1. "उसने कहा, 'मैं तो यहाँ का पुराना हूँ, मेरे बाप-दादा भी यहीं थे । तुम तो बाद में आए हो, फिर यह जगह तुम्हारी कैसे हो गई ?' मैंने जवाब दिया, 'मैं बड़ा हूँ, इसलिए यह मेरा हक है ।' वह हँसकर बोला, 'बड़ा होने से हक नहीं मिलता, सच्चाई से मिलता है ।' मैंने गुस्से में उसका पीछा करने की कोशिश की, पर वह इतना चतुर था कि मेरे हाथ नहीं आया। मैंने सोचा, शायद उसकी बातों में कुछ दम तो है ।

2. "लोग उसकी बातों से प्रभावित हो जाते थे, क्योंकि वह बहुत अच्छा बोलता था । लेकिन जो उसे जानते थे, वे कहते थे कि उसके दिल में कुछ और ही चलता है । वह बाहर से एकदम सज्जन दिखता था, पर भीतर से बिल्कुल अलग था। उसकी यह दोहरी चाल इतनी सिद्ध थी कि लोग उसकी असलियत को समझ ही नहीं पाते थे। वह हमेशा अपने फायदे की सोचता था, और दूसरों को सिर्फ इस्तेमाल करता था ।"

3. "हमारी हालत ऐसी हो गई है कि हमें कोई देखना भी नहीं चाहता । हमें इस हाल में छोड़ दिया गया, और अब हमारा अस्तित्व ही एक बदबू बन गया है । यह हमारी गलती नहीं, बल्कि उनकी है जिन्होंने हमें उपेक्षित किया। अब हम चुप नहीं रह सकते, हमें अपनी बात कहने का हक है। हमारी इस बदबू से लोग परेशान होंगे, लेकिन यह हमारी मजबूरी का नतीजा है, जिसके लिए हम जिम्मेदार नहीं हैं ।"

4. "वह हर जगह अपने पुराने तरीकों को अपनाता था। उसने वहाँ के लोगों से कहा कि उनके जीवन में कुछ कमी है, और वह उसे पूरा कर सकता है । लोग उसकी बातों से हैरान हो गए, क्योंकि उनकी दुनिया में ऐसी चीजों का कोई स्थान नहीं था। उसने हँसते हुए कहा कि यह तो बहुत आसान है । उसने वहाँ भी वही करने की कोशिश की, जो वह हमेशा करता था, लेकिन लोग उसकी बातों को समझ नहीं पाए और उसे नजरअंदाज कर दिया ।"

4. परसाई की रचनाओं में हास्य का मुख्य उद्देश्य क्या है ?

(क) केवल मनोरंजन करना

(ख) सामाजिक समस्याओं को उजागर करना

(ग) काव्यात्मक अभिव्यक्ति देना

(घ) धार्मिक नैतिकता सिखाना

5. परसाई की विचारधारा में सबसे अधिक प्रभाव किसका है ?

(क) प्राचीन साहित्य

(ख) समकालीन सामाजिक परिस्थितियाँ

(ग) पौराणिक कथाएँ

(घ) व्यक्तिगत अनुभव

3. हरिशंकर परसाई के निबंधकार और कहानीकार रूप की तुलनात्मक समीक्षा कीजिए ।

अथवा

परसाई के साहित्य में समकालीन समस्याओं का चित्रण कैसे हुआ है ?

खण्ड ग

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है। **4×4=16**

1. ''दो नाक वाले लोग'' रचना में परसाई ने सामाजिक दिखावे पर क्या टिप्पणी की है ?

2. ''डिवाइन ल्यूनेटिक मिशन'' में परसाई ने धार्मिक पाखंड की क्या आलोचना की है ?

3. ''जिसकी छोड़ नागी है'' रचना में परसाई ने सामाजिक अंधविश्वास पर कैसे प्रहार किया है ?

4. ''समय काटनेवाले'' में परसाई ने आलस्य और समय की बर्बादी की क्या संवेदना व्यक्त की है ?

5. ''सड़े आलू का विद्रोह'' रचना में शोषण के खिलाफ विद्रोह की क्या भावना उभरती है ?

6. ''अपनी-अपनी बीमारी'' में परसाई ने व्यक्तिगत कमजोरीयों को कैसे उजागर किया है ?

7. ''इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर'' में परसाई ने प्रशासनिक भ्रष्टाचार पर कैसे प्रहार किया है ?

खण्ड घ

नोट : निम्नलिखित **छः** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सही उत्तर चुनिए । प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का है । **6×1=6**

1. ''प्रेम बिरादरी'' रचना में परसाई ने मुख्य रूप से किस सामाजिक मुद्दे पर व्यंग्य किया है ?

(क) प्रेम और भाईचारे का दिखावा

(ख) धार्मिक अंधविश्वास

(ग) सामाजिक असमानता

(घ) प्रशासनिक भ्रष्टाचार

2. परसाई के साहित्य में सामाजिक चेतना का सबसे प्रमुख लक्ष्य क्या है ?

(क) व्यक्तिगत नैतिकता का विकास

(ख) सामाजिक बुराइयों का उन्मूलन

(ग) धार्मिक सुधार

(घ) आर्थिक समृद्धि

3. ''अहले वतन में इतनी शराफत कहाँ है जोश'' रचना में परसाई ने किस प्रवृत्ति पर प्रहार किया है ?

(क) सामाजिक दिखावा और पाखंड

(ख) व्यक्तिगत स्वार्थ

(ग) शोषण और भ्रष्टाचार

(घ) समय की बर्बादी

6. परसाई के साहित्य में शिल्प की सबसे प्रमुख विशेषता क्या है ?

(क) जटिल और अलंकारिक शैली

(ख) प्रतीकात्मकता और संवादात्मकता

(ग) काव्यात्मक और भावनात्मक शैली

(घ) औपचारिक और गंभीर शैली

❖❖❖❖❖❖❖

6. परसाई के साहित्य में शिल्प की सबसे प्रमुख विशेषता क्या है ?

(क) जटिल और अलंकारिक शैली

(ख) प्रतीकात्मकता और संवादात्मकता

(ग) काव्यात्मक और भावनात्मक शैली

(घ) औपचारिक और गंभीर शैली

❖❖❖❖❖❖❖